# मरुधर धरती ऊंचो रे मंदिर है जंभेश्वर भजन लिरिक्स

मरुधर धरती ऊंचो रे मंदिर है,
मांई विराजे जंभेश्वर भगवान,
समराथल धाम में।bd।

---

ध्यावे पूजे थाने सगला नर नार जी,
अठे विराजे विष्णु रा अवतार,
समराथल धाम में।bd।

---

गढ रे बीकाणा में मोटो थारों धाम जी,
अठे विराजे जंभेश्वर भगवान,
समराथल धाम में।bd।

---

29 नियमों को पंत बनाया जी,
जीव दया रो अर्थ समझाइए जी,
करी तपस्या समराथल धाम,
समराथल धाम में।bd।

---

जीव पालन एवं वन लगावण,
लड़े पर्यावरण रक्षा के खातिर,
अठे विराजे विष्णु रा अवतार,
समराथल धाम में।bd।

---

विष्णु रे विष्णु भण रे प्राणी,
होवसी बेड़ा पार,
समराथल धाम में।bd।

---

भगत रे थारी आवे मुकाम,
पर जुक जुक करे निवण प्रणाम,
समराथल धाम में।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गणेश फौजी थारी महिमा बनावेजी,
रमेश सारण थारी महिमा गावे जी,
करे करे थाने ओ प्रणाम,
समराथल धाम में।bd।

---

मरुधर धरती ऊंचो रे मंदिर है,
मांई विराजे जंभेश्वर भगवान,
समराथल धाम में।bd।

गायक / प्रेषक – लोक गायक रमेश सारण।
बाङमेर, M. 9571547445

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com